VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 09 SEP 2022 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1836)

Name of Candidate	Vikash Senthiya		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	398329
Center	MN	Date	09/09/22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोडा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. The PM-AASHA scheme is aimed at improving procurement mechanism as well as ensuring remunerative prices for farmers. In this context, highlight the various components of the scheme and discuss the concerns associated with it. **(150 words) 10**

पीएम-आशा योजना का उद्देश्य खरीद तंत्र में सुधार के साथ-साथ किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना है। इस संदर्भ में, योजना के विभिन्न घटकों को रेखांकित कीजिए तथा इससे जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए।

सरकार ने 2022 तक किसानो की आय दोगुनी ~~कम~~ करने व खरीद तंत्र में सुधार करने के लिए PM-आशा योजना को लॉन्च किया है।

योजना के विभिन्न घटक

- मूल्य न्यूनता योजना (PDS) → इसके तहत सरकार बाजार मूल्य से कम मूल्य मिलने पर किसानों को DBT की सहायता से मूल्य अंतर उनके बैंक में भेजेगी
  e.g. भावांतर योजना (म.प्र. सरकार)
- मूल्य समर्थन योजना → किसानों की इनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने हेतु MSP पर फसलों की खरीद
- प्राइवेट स्टॉकिस्ट स्कीम → भण्डारण क्षमता में वृद्धि हेतु निजी क्षेत्र द्वारा किसानों की फसलों की खरीद की जाना।
  → यह अभी पायलट प्रोजेक्ट के रूप में है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

PM-आशा योजना के लाभ

1- किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त होगा।

2- किसानों की आय दोगुनी करने में सक्षम

3- कृषि विपणन व्यवस्था में सुधार

4- निजी क्षेत्र के सहयोग से भण्डारण की समस्या समाप्त तथा अधिक समावेशी खरीद

5. कृषि क्षेत्र में निवेश से कृषि विकास की संभावना

6- MSP पर फसल बेचने हेतु लम्बे समय तक इंतजार नहीं PDPS के कारण

अतः PM-आशा योजना कृषि खरीद तंत्र में संस्थागत सुधार के माध्यम से 2022 तक दोगुनी कृषक आय व कृषि में ऋणग्रस्तता की समस्या को दूर करेगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Explaining the concept of blended finance, discuss the role it can play in mobilizing capital for infrastructure development in developing countries like India.

(150 words) 10

मिश्रित वित्त की अवधारणा की व्याख्या करते हुए, भारत जैसे विकासशील देशों में अवसंरचना विकास हेतु पूंजी जुटाने में इसकी भूमिका पर चर्चा कीजिए।

मिश्रित वित्त से तात्पर्य देश के विकास में सरकारी व निजी क्षेत्र के धन का प्रयोग करने से है।

मिश्रित वित्त = सरकारी वित्त + निजी क्षेत्र से प्राप्त वित्त

मिश्रित वित्त की अवधारणा को PPP परियोजनाओं के माध्यम से लागू किया जाता है।

मिश्रित वित्त की विकासशील देशों (भारत) में पूँजी जुटाने में भूमिका

→ भारत में 2030 तक अर्थव्यवस्था को 7-8% की गति से वृद्धि करने हेतु अवसंरचना पर $4.5 लाख करोड़ की आवश्यकता है जिसे निजी वित्त के सहयोग से पूर्ण किया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2- निजी क्षेत्र नवीन तकनीक व नवाचारों से वित्त की कार्यकुशलता में वृद्धि कर देते हैं।

3- निजी क्षेत्र की कुशल वित्तीय प्रबंधन व्यवस्था, कार्य पूर्ण करने में तेजी आदि के कारण वित्त का उचित उपयोग।

4- सरकार ने मिश्रित वित्त की अर्थव्यवस्था के लिए NIP, NMP, विनिवेश आदि को संचालित किया है।

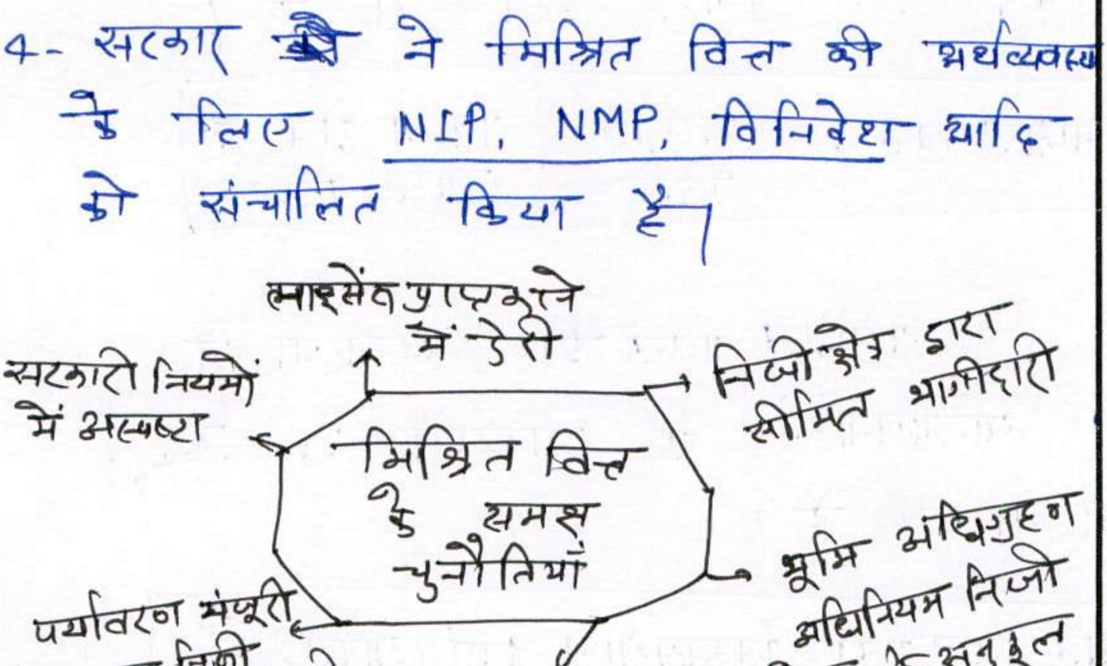

अतः सरकार को एक सुदृढ़ व समन्वयात्मक नीति लागू करनी चाहिए ताकि मिश्रित वित्त के माध्यम से अवसंरचना विकास द्वारा भारत की लॉजिस्टिक्स लागत कम हो सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Discuss the challenges faced in the revival and revamp of dry ports in India and state the measures that can be adopted in this regard.

(150 words) 10

भारत में शुष्क पत्तनों (ड्राई पोर्ट्स) के पुनरुद्धार और सुधार में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिए तथा इस संबंध में अपनाए जाने वाले उपायों का सुझाव दीजिए।

शुष्क पत्तनों से आशय समुद्र तट से दूर बनाए गए पत्तनों से होता है।

चुनौतियाँ

→ निजी क्षेत्र की सीमित भागीदारी
→ वित्त की समस्या
– आवश्यक कौशल का अभाव
→ व्यवहारिक व वित्तीय प्रबंधन की अक्षमता

सुझाव - सरकार द्वारा अधिनियमित मेजर पोर्ट अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन
– PPP परियोजनाओं को इस प्रकार डिजाइन करना कि निजी क्षेत्र आकर्षित
– तकनीकी समाधानों का सहारा लेना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Monoculture is one of the major threats to ensuring food security and sustainability of Indian agriculture. Discuss. (150 words) 10

एकल कृषि (मोनोकल्चर) खाद्य सुरक्षा और भारतीय कृषि की संधारणीयता सुनिश्चित करने के समक्ष विद्यमान प्रमुख खतरों में से एक है। चर्चा कीजिए।

एकल कृषि से तात्पर्य किसी भूमि में एक ही प्रकार के फसलों को उगाने से है। यह फसल विविधीकरण के विपरीत है।

जैसे - हरित क्रांति क्षेत्रों में केवल गेहूँ या चावल की फसल उगाना।

एकल कृषि - खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा

1- खाद्य सुरक्षा में पोषण युक्त विविध आहार आवश्यक, जबकि एकल कृषि से एक ही प्रकार के उत्पाद प्राप्त जिससे हिडन हंगर की समस्या

2- एकल कृषि के निरंतर प्रयोग से उत्पादन में कमी

एकल कृषि, कृषि की संधारणीयता को भी प्रभावित करती है -

1- एकल कृषि से मृदा में आवश्यक

पोषक तत्वों की कमी हो जाती है जिससे मृदा की उर्वरता में कमी
जैसे - लगातार गेहूँ या चावल के प्रयोग से N_2 की कमी

2- इसके लिए अधिक मात्रा में उर्वरक व कीटनाशकों का प्रयोग जो जल, वायु व मृदा प्रदूषण का कारण

3- फसलों में रोगों के बढ़ने की संभावनों में वृद्धि

सतत कृषि के लिए
- फसल विविधीकरण
- जैविक कृषि व ZBNF
- सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियाँ
- कम जल गहन फसले
- जलवायवीय दशाओं के अनुरूप कृषि

अतः सरकार द्वारा MSP व्यवस्था, उर्वरक सब्सिडी व अन्य नीतिगत उपायों के तार्किकीकरण द्वारा फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. While highlighting the impact of single-use plastic on health and the environment, state the recent efforts taken by the government to curb plastic pollution in India. **(150 words) 10**

स्वास्थ्य और पर्यावरण पर एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के प्रभाव को रेखांकित करते हुए, भारत में प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार द्वारा हाल ही में किए गए प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

प्लास्टिक एक नॉन-डिग्रेडेबल अपशिष्ट है जो लम्बे समय तक पर्यावरण को प्रदूषित करता है।

स्वास्थ्य व पर्यावरण पर सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रभाव

1- सिंगल यूज प्लास्टिक का सामान्यतः पुनः चक्रण करके प्रयोग नहीं किया जा सकता, अतः ये अधिक खतरनाक

2- प्लास्टिक लम्बे समय तक मृदा में रहकर मृदा प्रदूषण व मृदा की उर्वरता को सीमित करते हैं।

3- जल प्रदूषण - भूमिगत जल रिसाव द्वारा जल प्रदूषण
- जल निकायों में प्लास्टिक अपशिष्ट फेंके जाने से

4- वायु प्रदूषण - प्लास्टिक को जलाने पर

CO_2, CO जैसी विषैली गैसों का उत्सर्जन

5. समुद्री प्रदूषण के लिए प्लास्टिक प्रमुख कारक

6. स्वास्थ्य पर – जल, वायु, मृदा प्रदूषण का स्वास्थ्य पर प्रभाव
समुद्री जीवों में जैवसंचयन व जैव आवर्धन के द्वारा सम्पूर्ण खाद्य श्रृंखला प्रवेश

सरकार द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक को रोकने के उपाय
- प्लास्टिक अवशिष्ट प्रबंधन नियम 2020 के तहत सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक
- 50 माइक्रोन मोटाई से अधिक प्लास्टिक बैग का प्रयोग
- EPR के द्वारा उत्पादकों को अपशिष्ट निपटान हेतु जिम्मेदार बनाना
- सोशल मीडिया के माध्यम से 'प्लास्टिक बैन' कैंपेन चलाना

सतत विकास की प्राप्ति के लिए सरकार को जनजागरूकता व कठोर नियमों के साथ वैश्विक समन्वय द्वारा प्लास्टिक को कम करने का प्रयास करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Aapda Mitra – a force of volunteers from across India trained in disaster response – is becoming a game changer in the field of disaster management in the country. Elaborate. (150 words) 10
आपदा मित्र-आपदा प्रतिक्रिया हेतु प्रशिक्षित भारत भर के स्वयंसेवकों का एक बल-देश में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक गेम चेंजर के रूप में उभर रहा है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

आपदा एक ऐसी अप्रत्याशित संकट की स्थिति होती है जो बड़े पैमाने पर जन व धन की हानि का कारण बनती है।

अतः आपदा के प्रभाव व तीव्रता को कम करने के लिए आपदा प्रबंधन रणनीति के रूप में सरकार आपदा मित्र (प्रशिक्षित स्वयंसेवक) को बढ़ावा दे रही है।

आपदा मित्र - आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में गेम चेंजर

1- सर्वप्रथम आपदा के प्रति प्रतिक्रिया जनसमुदाय द्वारा → ऐसे में आपदा मित्र जन-समुदाय को प्रशिक्षित कर, त्वरित आपदा प्रतिक्रिया।

2- आपदा मित्रों द्वारा आपदा के समय राहत व बचाव कार्यों का कुशलता

से सम्पन्न करना।

3- समय-समय पर मॉक ड्रिल, प्रदर्शनी आदि के द्वारा जनसमुदाय को आपदाओं के लिए तैयार करना।

4- मिटिगेशन व तैयारी के दौरान आपदा मित्रों द्वारा जनसमुदाय के सहयोग से नवीन नवाचारों का सुझाव

आपदा मित्रों के समक्ष समस्याएँ

- इस कार्य के लिए स्वयंसेवकों की सीमित उपलब्धता
- कुशल प्रशिक्षण का अभाव
- आवश्यक उपकरणों व प्रशिक्षण हेतु वित्त का अभाव
- आपदा मित्रों में प्रोत्साहन की कमी

अतः सरकार को एक कुशल संस्थागत तंत्र व विनियामक नीति के माध्यम से आपदा मित्रों को बढ़ावा देना चाहिए जिससे आपदा पर व्यय होने लाखों डॉलरों को बचाया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Why is the rise in lone wolf attacks considered as a serious challenge for security agencies around the world? Highlight the role of the internet in exacerbating such attacks. **(150 words) 10**
विश्व भर में लोन वुल्फ हमलों में वृद्धि को सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक गंभीर चुनौती क्यों माना जाता है? ऐसे हमलों की वृद्धि में इंटरनेट की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

लोन वुल्फ अटैक एकल व्यक्ति द्वारा हिंसक व अवैध गतिविधि को अंजाम दिए जाने से संबंधित है जिससे व्यापक हानि होती है।

ऐसे व्यक्ति किसी संगठन, विचारधारा आदि से जुड़े भी हो सकते हैं और स्वतंत्र रूप से कार्य भी कर सकते हैं।

लोन वुल्फ हमलों में वृद्धि के कारण

1- इन्हें अंजाम देना अधिक आसान होता है।
2- USA जैसे देशों में बन्दूक लाइसेंस की सरल उपलब्धता
3- सुरक्षा एजेंसियों की सीमित नजर
4- बढ़ते शहरीकरण के कारण अवसाद में वृद्धि
5. इंटरनेट की भूमिका - दूर बैठे व्यक्तियों से निरंतर सम्पर्क में रहना
→ अत्याचारों को देखकर हमले के लिए खुद को तैयार करना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ हमले के स्थान की पहले से पूर्ण जानकारी प्राप्त करने में सक्षम
→ इंटरनेट के माध्यम से फेक न्यूज व कट्टरवादी विचारों का बढ़ना

सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर चुनौती

1- ऐसे व्यक्तियों को पहचानना मुश्किल तथा आसूचना तंत्र के घेरे से बाहर
2- जनता के बीच में रहकर ही कार्य करते हैं।
3- इनकी योजनाओं को सिर्फ यही जानते है, अत: उनका पता लगाना कठिन
4- हमले के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग

लोन वुल्फ हमले को रोकने हेतु वैश्विक समुदाय को एक साथ आना चाहिए और प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था के साथ युवाओं को कट्टरवादी बनने से रोकने के प्रयास करने चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. The fundamental inefficiencies embedded in our military structures and processes are now being addressed through a slew of defence reforms in the country. Discuss. (150 words) 10
हमारे सैन्य ढांचे और प्रक्रियाओं में अंतर्निहित मूलभूत अक्षमताओं को अब देश में विभिन्न रक्षा सुधारों के माध्यम से दूर किया जा रहा है। चर्चा कीजिए।

भारत में त्रिस्तरीय सैन्य ढाँचा पाया जाता है –
- थल सेना
- जल सेना
- वायु सेना

] ~~सैन्य~~ रक्षा ~~मंत्रालय~~

इसके अतिरिक्त CAPF के तहत पेरा-मिलिट्री फोर्स के तहत ITBP, BSF, SSB आदि पाए जाते हैं।

सैन्य ढाँचे ~~में~~ और प्रक्रियाओं में समस्याएँ

① विभिन्न सेनाओं में समन्वय का अभाव
② आधुनिक सैन्य उपकरणों की कमी
③ सैन्य उपकरणों की खरीद में भ्रष्टाचार तथा विलंब
④ सेनाओं को बिना प्रशिक्षण के अन्य जगह नियोजित करना
जैसे - ITBP को नक्सलियों के विरुद्ध

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न सैन्य सुधार

1- चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की स्थापना
↳ विभिन्न सेनाओं के लिए प्रभावी नीति निर्माण

2- इंटीग्रेटेड थियेटर कमान का निर्माण
↳ सेनाओं में समन्वय व कुशलता में वृद्धि

3- DPP-2020 खरीद प्रक्रिया तीव्र व पारदर्शी

4- Integrated Battle Group (IBG) का निर्माण

5- शेकटकर समिति के अनुरूप एक सीमा एक सेना के सिद्धांत पर सरकार विमर्श कर रही है।

एक कुशल व प्रभावी सैन्य क्षमता भारत की आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के साथ IOR में Net security Provider की भूमिका निभाने में मदद होगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. In light of the recent establishment of the WHO Global Centre for Traditional Medicine in India, discuss the advantages and challenges in mainstreaming traditional medicine in the country. **(150 words) 10**

हाल ही में, भारत में डब्ल्यू. एच. ओ. ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना के आलोक में, देश में पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा में लाने के लाभों और चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

पारंपरिक चिकित्सा लम्बे समय से जनसमुदाय द्वारा उपयोग की जा रही चिकित्सा पद्धतियों के लिए सामूहिक नाम है।

जैसे - योग, आयुर्वेद, सोवा रिग्पा आदि

सरकार पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को बढ़ाने पर बल दे रही है। इसके लिए भारत सरकार ने आयुष मंत्रालय की स्थापना की तो अभी हाल ही में WHO ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना की गई।

पारंपरिक चिकित्सा के लाभ

1. इसके साइड इफेक्ट कम होते हैं।
2. जन सामान्य में इनकी अत्यधिक पहुँच व विश्वसनीयता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3- आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों की तुलना में सस्ते।

4- क्रोनिक बीमारियों जैसे कैंसर आदि में इसके लाभ देखे गए हैं।

5- सम्पूर्ण शरीर का इलाज करते है जिससे अधिक प्रभावी

इनको मुख्यधारा में लाने में चुनौतियां

1- सरकार व स्वास्थ्य कर्मियों के पास इनसे जुड़ी पद्धतियों, परिणामों व आंकड़ों की सीमित उपलब्धता

2- रोग ठीक होने में लंबा समय

3- कुशल स्वास्थ्य कर्मियों का अभाव

4- जनसामान्य द्वारा इनकी उपेक्षा जैसे 2019 में केवल 4% रोगियों ने OPD के स्थान दूसरा विकल्प चुना

पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियाँ भारत के स्वास्थ्य ढांचे में कमी का हरक साबित होंगी अतः सरकार को इन्हें मुख्यधारा में लाने का प्रयास करना चाहिए ताकि SDG-3 की प्राप्ति हो सके।

10. Nano Urea Liquid has the potential to transform farming in India and across the world by improving productivity while reducing environmental pollution and input cost. Discuss. **(150 words) 10**
नैनो यूरिया लिक्विड में पर्यावरण प्रदूषण और इनपुट लागत को कम करने के साथ-साथ उत्पादकता में सुधार करके भारत और विश्व भर में कृषि कार्य को रूपांतरित करने की क्षमता है। चर्चा कीजिए।

नैनो यूरिया लिक्विड यूरिया उर्वरक का एक प्रकार है जिसमें नैनो यूरिया कणों का प्रयोग किया जाता है।

भारत में यूरिया उर्वरक का अत्यधिक प्रयोग किया जाता है [आदर्श NPK 4:2:1 के स्थान पर 7:2:1] अत: नैनो यूरिया लिक्विड इसका समाधान करने में मदद करेगा।

नैनो यूरिया लिक्विड (NUL) के लाभ-

1- पर्यावरण - अत्यधिक उर्वरक के प्रयोग से होने वाले मृदा प्रदूषण व जल प्रदूषण में कमी

2- इनपुट लागत - यूरिया के अधिक प्रयोग से लागत अधिक
- NUL का पत्तियों पर छिड़काव जिससे सीमित उपयोग तथा लागत में कमी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3- उत्पादकता पर - पत्तियों द्वारा NUL का छिड़काव द्वारा कुशल उपयोग

↳ मृदा में अत्यधिक यूरिया से होने वाली उर्वरता कमी का समाधान

⇓

इसका प्रभाव उत्पादकता में वृद्धि

4- सरकार के वित्तीय बोझ को कम - उर्वरक सब्सिडी में कमी के कारण

5- NPK उर्वरकों का उचित अनुपात में प्रयोग

6- यूरिया की बिक्री में लीकेज को समाप्त

7- स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों में कमी

इस प्रकार NUL इनपुट लागत में कमी, मृदा की उर्वरता में वृद्धि तथा भू-जल व मृदा प्रदूषण में कमी के माध्यम से विश्व व भारत में कृषि को सतत कृषि की ओर अग्रसर रहेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Discuss the domino effect of high crude oil prices on the Indian economy. Also, enumerate the measures that India can take in this context.
(250 words) 15

भारतीय अर्थव्यवस्था पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के डोमिनो प्रभाव की विवेचना कीजिए। साथ ही, भारत द्वारा इस संदर्भ में अपनाए जा सकने वाले उपायों को सूचीबद्ध कीजिए।

भारत अपने कच्चे तेल की आवश्यकता पूर्ति का 80-85% आयात करता है। अत: तेल की अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि से घरेलू अर्थव्यवस्था पर अनेक प्रभाव पड़ते हैं।

कच्चे तेल की ऊँची कीमतों का डोमिनो प्रभाव

1- कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि
⇓
आयात बिल में वृद्धि ⇒ फॉरेक्स में कमी
⇓
रुपये का अवमूल्यन

2- घरेलू अर्थव्यवस्था में ईंधन की कीमतों में वृद्धि ⇒ परिवहन लागत अधिक
⇓
उत्पादकों की लागत अधिक
⇓
मुद्रास्फीति

3- मुद्रास्फीति के कारण भारत का

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

निर्यात अप्रतिस्पर्धी हो जाता है।

4- तेल कीमतों में वृद्धि घरेलू अर्थव्यवस्था को बाह्य सदमों के प्रति सुभेद्य बनाती है।

भारत द्वारा इस संदर्भ में अपनाए जा सकने वाले उपाय

1. कच्चे तेल के आयात के स्रोतों का विविधीकरण करना चाहिए
[वर्तमान में 70% आयात पश्चिम एशिया से]

2- घरेलू ईंधन के स्रोतों का विकास करना
जैसे - डिब्रोई, असम, कावेरी - गोदावरी बेसिन, कच्छ कारण

3- नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता बढ़ाना, इसके लिए 2022 तक 175 GW व 2030 तक 450 GW के लक्ष्य की प्राप्ति में तीव्रता लाना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4- FAME योजना के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों के अंगीकरण को तीव्र करना और इसके लिए कर प्रोत्साहन तथा पर्याप्त चार्जिंग अवसंरचना का विकास करना।

5- पेट्रोल-डीजल में एथेनॉल मिश्रण द्वारा तेल के आयात में कमी करना।

6- मेथेनॉल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना

7- वेस्ट टू एनर्जी जैसे नवाचारों को बढ़ावा

अतः जलवायु परिवर्तन के खतरों को देखते हुए भारत को तेल आधारित अर्थव्यवस्था के स्थान पर सतत ईंधन प्राप्ति पर आधारित व्यवस्था अपनानी चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. The consistent high operating ratio of the Indian Railways is indicative of its incapability to generate high operational surplus. Explain the reasons behind this trend. Also, highlight the remedial measures taken by the government in this regard. **(250 words) 15**

भारतीय रेलवे का लगातार उच्च परिचालन अनुपात उच्च परिचालन अधिशेष सृजित करने में असमर्थता का संकेत है। इस प्रवृत्ति हेतु उत्तरदायी कारणों को स्पष्ट कीजिए। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा किए गए उपचारात्मक उपायों को रेखांकित कीजिए।

यात्री परिवहन की दृष्टि से भारतीय रेल का विश्व में प्रथम स्थान है। इससे प्रतिदिन २५ करोड़ से अधिक यात्री आवागमन करते है।

भारतीय रेलवे में लम्बे समय से उच्च परिचालन अनुपात (लगभग 98%) की समस्या देखी गई है जिससे यह उच्च परिचालन अधिशेष उत्पन्न नही कर पाता है।

<u>उच्च परिचालन अनुपात के लिए कारण</u>

1- रेलों की पटरियों व अन्य अवसंरचना का अत्याधुनिक न होना।

2- एक ही ट्रेक पर मालगाड़ी तथा यात्री गाड़ी चलने से विलंब की

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

समस्या।

3- रेलवे परिसंपत्तियों का अनुचित रखरखाव जिससे उनकी चोरी या नष्ट करने की समस्या।

4- रेलों में होने वाली दुर्घटना भी परिचालन लागत को बढ़ा देती है।

5- अकुशल कर्मचारी व वित्तीय प्रबंधन

6- प्रतिस्पर्धा के अभाव के कारण निम्न गुणवत्ता

7- सरकारी खरीद (रेलवे हेतु) अत्यधिक महंगी व भ्रष्टाचार की समस्या

इस उच्च परिचालन अनुपात के कारण भारतीय रेलवे में क्रॉस सब्सिडी व्यवस्था करनी पड़ती है जिससे मालभाड़ा प्रतिकूल हो जाती है। फलस्वरूप माल परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी घट रही है [2020 - सड़क परिवहन - 70% हिस्सेदारी
रेलवे - 11 %]

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकार द्वारा किए गए प्रयास

1- सीमित मात्रा में निजी क्षेत्र को अनुमति प्रदान की → प्रतिस्पर्धा बढ़ने से गुणवत्ता में वृद्धि
e.g. तेजस, वंदे भारत एक्सप्रेस

2- अहमदाबाद से मुम्बई के लिए जापान के सहयोग से 'बुलेट ट्रेन परियोजना प्रारंभ की है।

3- अवसंरचना के आधुनिकीकरण का प्रयास

4- तकनीकी के प्रयोग से रेल दुर्घटनाओं में कमी
जैसे - मानवरहित रेलवे फाटक

कुशल व तीव्र रेलवे परिवहन भारत की लॉजिस्टिक कोस्ट (वर्तमान में 14%) को कम कर व्यापार सुगमता में वृद्धि होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Micro food processing sector is the key driver of growth in the Indian economy as it encourages food processing innovation. In this context, state the challenges faced by the micro food processing sector and discuss how the recent initiatives taken by the government aim to address them.

(250 words) 15

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक भारतीय अर्थव्यवस्था में संवृद्धि का प्रमुख चालक है क्योंकि यह खाद्य प्रसंस्करण नवाचार को प्रोत्साहित करता है। इस संदर्भ में, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों का उल्लेख कीजिए और चर्चा कीजिए कि किस प्रकार सरकार द्वारा हाल ही में प्रारंभ की गई पहलों का उद्देश्य इनका समाधान करना है।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक कृषि व उद्योग के मध्य की कड़ी होता है। यह कृषि से प्राप्त कच्चे माल को प्रसंस्कृत कर उनको शेल्फलाइफ बढ़ाता है।

वर्तमान में भारत में अधिकांश FPI, सूक्ष्म स्तर के हैं।

सूक्ष्म FPI की भूमिका

→ किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य

→ खाद्य प्रसंस्कृत पदार्थों के निर्यात द्वारा विदेशी मुद्रा की प्राप्ति
[FPI का कुल निर्यात में 14% हिस्सेदारी]

→ ग्रामीण व शहरी स्तर पर लोगों को अत्यधिक रोजगार के अवसर, विशेषतः महिलाएं व वंचित वर्ग

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ FPI उद्योगों में नवीन तकनीकों के प्रयोग से नवाचार को बढ़ावा देते हैं।

MFPI के समक्ष चुनौतियाँ

1- परिचालन के लिए आवश्यक वित्त की कमी
↳ संस्थागत ऋणों तक सीमित पहुँच

2- आवश्यक कौशल जन-शक्ति का अभाव

3- कमजोर बैकवर्ड व फोरवर्ड लिंकेज
↳ कोल्ड स्टोरेज जैसी अवसंरचना का अभाव

4- सूक्ष्म स्तर पर संचालित होने के कारण Economy of scale का लाभ नहीं।

5- बड़े उद्योगों से प्रतिस्पर्धा

6- गुणवत्ता युक्त कृषि उत्पादों का प्राप्त न होना

7- निम्नस्तरीय तकनीक व आधुनिक तकनीक का अभाव

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकार द्वारा प्रारंभ की पहलें

1- सूक्ष्म FPE का औपचारीकरण योजना
↳ वित्त तक पहुँच में वृद्धि

2- PM -सम्पदा योजना
⇓
इसके तहत 6 - उप योजनाएँ
जैसे - बैकवर्ड - फोरवर्ड लिंकेज का विकास
- कुशल पेशेवरों के विकास हेतु अवसंरचना आदि।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग कृषि में सुधार, किसान आय में वृद्धि तथा कृषि निर्यात में बढ़ावा देकर कृषि निर्यात नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होंगे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Despite efforts by successive governments, equitable growth remains elusive and income inequality continues to persist in India. Discuss.
(250 words) 15

क्रमिक सरकारों के प्रयासों के बावजूद, न्यायसंगत विकास दुष्प्राप्य बना हुआ है और भारत में आय असमानता निरंतर बनी हुई है। चर्चा कीजिए।

न्यायसंगत विकास से तात्पर्य है कि सभी व्यक्तियों को अपने विकास के लिए आवश्यक संसाधन उचित मात्रा में प्राप्त हो सकें।

सरकारों के प्रयास - न्यायसंगत विकास की प्राप्ति हेतु

1- खाद्य सुरक्षा हेतु
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम
- जन वितरण प्रणाली
- मध्यान्ह भोजन व्यवस्था (PM - पोषण योजना)
- one nation one Ration card

2- गरीबी निवारण हेतु → मनरेगा
- → किसानों को उर्वरक, बिजली, सिंचाई आदि में सब्सिडी
- → PM किसान सम्मान निधि के तहत राशि (6000₹)
- → उज्जवला योजना के तहत सब्सिडीकृत सिलेंडर आदि

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3- शिक्षा प्राप्ति हेतु
- राष्ट्रीय सर्व शिक्षा अभियान
- राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान
- स्कूलों में फ्री टेबलेट, साइकिल, स्मार्टफोन आदि का वितरण

4- स्वास्थ्य सुविधाओं हेतु
- आयुष्मान भारत योजना
- जननी सुरक्षा योजना
- मातृ वंदना योजना
- राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम

समावेशी विकास प्राप्त करने में समस्या

1- योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं
2- वास्तविक लाभार्थियों का लाभ न मिलना
जैसे - वाधवा समिति - PDS में 1.5 करोड़ फर्जी राशनकार्ड
3- भ्रष्टाचार के कारण लीकेज की समस्या
जैसे - शांताकुमार समिति - PDS में 40% तक लीकेज की समस्या

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4- अपने अधिकारों को लेकर जागरूकता का अभाव
e.g. मनरेगा में ठेकेदारों द्वारा शोषण करना

5- योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया अधिक जटिल
जैसे असम में 40% से अधिक जनता के राशनकार्ड आधार से लिंक नहीं।

इस सब कारणों के कारण भारत में आय असमानता बढ़ी है।
ऑक्सफेम रिपोर्ट के अनुसार –
टॉप 1% आबादी – 57% संपत्ति
टॉप 10% आबादी – 77% संपत्ति
बॉटम 50% आबादी – 6% संपत्ति

अतः समावेशी विकास के माध्यम से आय असमानता को दूर करना चाहिए तभी वास्तविक अर्थों में संवैधानिक आदर्शों के अनुरूप सामाजिक कल्याण की प्राप्ति होगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. Stating the factors that determine the employment situation of an economy in the long-term, discuss the measures that are needed for India to address its unemployment problem. **(250 words) 15**
किसी अर्थव्यवस्था की दीर्घावधि में रोजगार की स्थिति को निर्धारित करने वाले कारकों का उल्लेख करते हुए, उन उपायों की विवेचना कीजिए जो भारत में बेरोजगारी की समस्या के समाधान हेतु आवश्यक हैं।

रोजगार की स्थिति को अनेक कारक प्रभावित करते हैं जैसे —

1 - अर्थव्यवस्था में उच्च संवृद्धि दर होनी चाहिए।

2 - अर्थव्यवस्था में औद्योगिक आधार विस्तृत तथा सुदृढ़ होना चाहिए।

3 - कृषि क्षेत्र पर निर्भर जनसंख्या का अनुपात कम होना चाहिए ताकि प्रच्छन्न बेरोजगारी की समस्या न हो।

4 - निवेश अनुकूल माहौल जिससे FDI आकर्षित हो।

5 - उद्योगों पर सरकार का सीमित नियंत्रण तथा उद्योगों के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5- जनसंख्या के पास कौशल की उपलब्धता होनी चाहिए।

6- वैश्विक बाजार तथा निर्यात में पर्याप्त हिस्सेदारी होनी चाहिए।

भारत में बेरोजगारी

जून 2022 में भारत में बेरोजगारी दर 7.6% थी। भारत में LFPR अत्यधिक कम लगभग 40% है तथा महिलाओं में यह और भी कम 9% है।

बेरोजगारी की समस्या के समाधान हेतु उपाय

1- भारत के औद्योगिक आधार को मजबूत करने पर बल
[पिछले तीन दशकों से उद्योग की GDP में भागीदारी 16-17% पर स्थिर है]

2- युवाओं को पर्याप्त कौशल व उद्योगों की मांग के अनुरूप कौशल प्रदान करना। इसके लिए PM

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कौशल विकास योजना, उस्ताद योजना आदि का उचित क्रियान्वयन

3 - कृषि के विकास द्वारा कृषि में प्रच्छन्न बेरोजगारी को दूर करने का प्रयास

4 - उद्योग - अकादमिक जगत को मजबूत बनाना

5 - श्रम - गहन उद्योगों जैसे - चमड़ा, वस्त्र उद्योग आदि में अधिक निवेश

6 - प्रभावी व पर्याप्त अवसंरचना विकास करना

7 - श्रमबल का औपचारीकरण करना

8 - श्रमकानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन

बेरोजगारी की समस्या का समाधान कर आर्थिक प्रगति के माध्यम से $5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को पूरा किया जा सकेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. In view of the rapidly increasing socio-economic damage caused by disasters, integrating Disaster Risk Reduction (DRR) into development planning requires an effective stakeholder engagement mechanism. Discuss. **(250 words) 15**

आपदाओं के कारण तेजी से बढ़ रही सामाजिक-आर्थिक क्षति को देखते हुए, आपदा जोखिम न्यूनीकरण (DRR) को विकास योजनाओं में एकीकृत करने के लिए एक प्रभावी हितधारक जुड़ाव तंत्र की आवश्यकता है। विवेचना कीजिए।

आपदा एक आकस्मिक घटना होती है जो बड़े पैमाने पर विनाश उत्पन्न करती है।

जैसे - UK में 2013 में बादल-फटने से उत्पन्न आपदा
- केरल की बाढ़ आदि

आपदा के कारण होने वाली आर्थिक सामाजिक क्षति

1 - सड़क, रेल, पुल आदि संरचनाएँ नष्ट
2 - हजारों व्यक्तियों की जान चली जाती है तथा लाखों व्यक्ति घायल हो जाते हैं
3 - पर्यावरणीय हानि → वृक्षों का उखड़ना
→ मृदा क्षरण
→ वनाग्नि
→ मृदा की गुणवत्ता में गिरावट
→ जल व वायु प्रदूषण

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के कारण आपदाओं की आवृत्ति व तीव्रता में वृद्धि देखी गई है।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण (DDR)

- DDR इस अवधारणा पर आधारित है कि आपदाओं को रोका नहीं जा सकता है लेकिन उनके प्रभावों को कम किया जा सकता है इसके लिए आवश्यक है—

1- आपदा से पूर्व हितधारकों के साथ जुड़कर आपदा संभावित क्षेत्रों की मैंपिंग करना

2- आपदा प्रभावित क्षेत्रों में रिस्क आकलन के माध्यम से डिजाई जोनेशन मैप बनाना।

3- जनसमुदाय, राज्य सरकार तथा केन्द्र सरकार के माध्यम से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आपदा शमन के उपाय करना।

4- आपदा पूर्व तैयारियों को मजबूत बनाना
जैसे - मॉक ड्रिल
- आपदा की स्थिति में संसाधनों का प्रयोग करने के तरीके
- आवश्यक बचाव उपकरण

5- अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना

अत: आपदा प्रबंधन में DDR के द्वारा क्षति को कम किया जा सकता है इसके लिए SDG, UNFCCC तथा सेंडाई फ्रेमवर्क को एकीकृत करने की जरूरत है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Provide an account of the existing carbon trading mechanisms in India. Also, discuss the significance of an efficient carbon trading market in the country and state the challenges that currently exist. **(250 words) 15**

भारत में मौजूदा कार्बन व्यापार तंत्र का विवरण प्रस्तुत कीजिए। साथ ही, देश में एक कुशल कार्बन व्यापार बाजार के महत्व पर चर्चा कीजिए और वर्तमान समय में विद्यमान चुनौतियों का उल्लेख कीजिए।

कार्बन व्यापार तंत्र की व्यवस्था क्योटो प्रोटोकॉल के तहत लाई गई थी ताकि देशों को उनके लिए निर्धारित कार्बन लक्ष्यों को प्राप्त करने में आसानी हो।

भारत जैसे विकासशील देशों के लिए क्लीन डेवलेपमेंट स्कीम (CDS) प्रणाली के तहत कार्बन व्यापार तंत्र की व्यवस्था की गई थी। इसमें भारत अपने द्वारा निर्धारित लक्ष्यों से कम उत्सर्जन पर कार्बन क्रेडिट की यूनिट सृजित करता है जिसे विकसित देशों को बेच सकता है।

कुशल कार्बन व्यापार बाजार का महत्व

1- कुशल कार्बन व्यापार बाजार कार्बन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्रेडिट का तीव्र व सुविधाजनक लेन देन को संभव बनाता है जिससे जलवायु परिवर्तन से निपटने में सहायता।

2- कार्बन क्रेडिट के विक्रय से भारत को बड़े मात्रा में वित्त की प्राप्ति जिसका प्रयोग जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों में।

3- इस व्यवस्था के तहत भारत को नवीन तकनीक भी प्राप्त होती है।

4- जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका सुनिश्चित होगी

वर्तमान समय में कार्बन बाजार के समक्ष चुनौतियाँ

1- देशों द्वारा उत्सर्जन मानकों का समुचित पालन न करना।

2- इस व्यवस्था के माध्यम से विकसित देश गरीब देशों के पर्यावरण को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हानि पहुँचा रहे।

3. गरीब देशो द्वारा कार्बन क्रेडिट मे धन प्राप्ति के लालच मे विकास कार्यो को धीमा करना जिससे जनता का कल्याण प्रभावित

4. बाजार का समुचित विकास नही — कई तकनीकी, संस्थागत व परिचालन कठनाईयाँ।

जलवायु परिवर्तन वर्तमान मे सम्पूर्ण विश्व के समक्ष एक प्रमुख खतरा है अत: सभी देशों को इसके साथ मिलकर प्रयास करना चाहिए ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य निर्मित हो सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. The menace of drug trafficking in India has been on a rise due to a mix of factors, both internal and external. Discuss. Also, state the challenges posed by drug trafficking to India's national security. **(250 words) 15**

भारत में ड्रग ट्रैफिकिंग का खतरा आंतरिक और बाह्य दोनों कारकों के समन्वय के कारण बढ़ रहा है। चर्चा कीजिए। साथ ही, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष ड्रग ट्रैफिकिंग से उत्पन्न चुनौतियों का उल्लेख कीजिए।

ड्रग ट्रैफिकिंग का तात्पर्य पर अवैध रूप में भारी मात्रा में ड्रग्स का आदान-प्रदान करने है।

ड्रग ट्रैफिकिंग के लिए उत्तरदायी बाह्य कारक

1. भारत की भौगोलिक स्थिति गोल्डन क्रिसेंट व गोल्डन ट्रायंगल के मध्य → अत: ड्रग ट्रैफिकिंग को बढ़ावा

2- बाह्य सीमाएं - खुली व शिथिल [नेपाल, बांग्लादेश आदि के साथ]

आंतरिक कारक

1- सीमावर्ती क्षेत्रों में कम विकास के कारण गरीब जनता इस कार्य हेतु

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अधिक दुर्भेद्य।

2- अवैध आप्रवासियों की अत्यधिक संख्या भारत → जिससे ड्रग ट्रैफिकिंग को बढ़ावा

3- सीमाओं के दोनों पार समान नृजातीय समूहों की उपस्थिति → ऐसे में कार्रवाई करना कठिन।

4- देश के अन्दर से नक्सली, पूर्वोत्तर उग्रवादियों द्वारा इसे बढ़ावा देना।

<u>सुरक्षा चुनौतियाँ – ड्रग ट्रैफिकिंग से</u>

1- सीमा पर अवैध गतिविधियों में वृद्धि हो जाती है जिससे सीमाएं अधिक दुर्भेद्य

2- ड्रग ट्रैफिकिंग, संगठित अपराध-व नार्को टेरर जैसी चुनौतियाँ उत्पन्न करता है।

3- ड्रग तस्करी से नक्सलवादियों व

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उग्रवादियों को धन की प्राप्ति जिससे उनकी स्थिति अधिक सुदृढ़।

4 - इससे देश में वेश्यावृत्ति, मानव व पशु तस्करी को बढ़ावा मिलता है।

5 - देश में अपराधों में वृद्धि तथा युवा धन शक्ति का ह्रास होना।

सरकार ने इस दिशा में प्रयास करते हुए सीमाओं पर CIBMS तथा ICP के द्वारा निगरानी व अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई के माध्यम से इस समस्या से निपटने का प्रयास किया, किन्तु इसके लिए वैश्विक सहयोग पर भी बल देना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. The Andaman and Nicobar islands' strategic significance in the Indian Ocean region (IOR) has been underplayed by India's policy of 'masterly inactivity and benign neglect'. Critically discuss. **(250 words) 15**

हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के रणनीतिक महत्व को भारत की 'कुशल अकर्मण्यता और सौम्य उपेक्षा' की नीति के तहत कम करके आंका गया है। समालोचनात्मक चर्चा कीजिए।

भारत हिन्द महासागर के शीर्ष पर स्थित है और 70% मात्रा के अनुसार तथा 90% मूल्य के अनुसार अपना व्यापार हिन्द महासागर से करता है यथा प्रमुख SLCs की उपस्थिति IOR ~~भारत~~ को अधिक रणनीतिक क्षेत्र बना देती है।

अण्डमान निकोबार का महत्व –

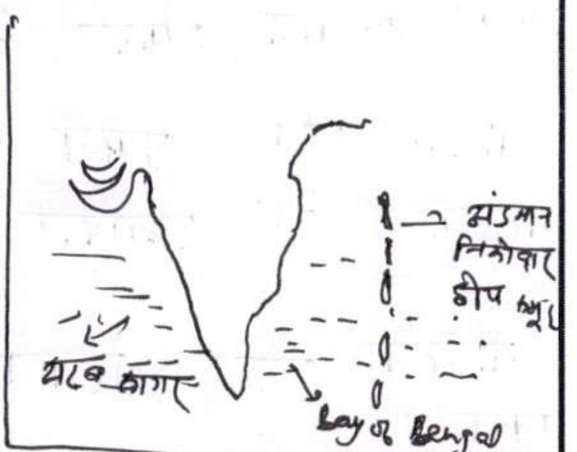

1- भारत के EEZ क्षेत्र का विस्तार

2- प्रमुख समुद्री मार्गों पर यहां से निगरानी

3- IOR में बेहतर उपस्थिति बनाए रखने में संभव

4- आसियान देशों से निकटता

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कुछ आलोचकों का तर्क है कि भारत ने IOR में अण्डमान के रणनीतिक महत्व के बावजूद उस पर्याप्त फोकस नहीं किया है —

1 - अण्डमान में अभी विकास बहुत कम है।

2 - कनेक्टिविटी का अपर्याप्त व्यवस्था है।

3 -

लेकिन सरकार ने अण्डमान के महत्व को समझते हुए इसके विकास के तीव्र प्रयास किए हैं जैसे —

1 - भारत की प्रथम थियेटर कमांड अण्डमान में स्थापित की गई।

2 - नौसेना के अस्थायी बेस का निर्माण किया।

3 - एयरपोर्ट, सैन्य रनवे आदि का निर्माण किया।

4 - हाल ही में अण्डमान में 4G कनेक्टिविटी को सुनिश्चित किया गया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चूँकि अण्डमान रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होते हुए भी पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील है अतः सरकार को पर्यावरण व सामरिक हितों में संतुलन बनाए रखते हुए IOR में अपनी भूमिका को बढ़ाने हेतु अण्डमान निकोबार द्वीप समूह पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

20. India has recently commissioned the world's first large International Liquid-Mirror Telescope (ILMT). How will the newly commissioned telescope aid in India's astronomical observations and research? **(250 words) 15**

हाल ही में, भारत ने विश्व का पहला विशाल इंटरनेशनल लिक्विड-मिरर टेलीस्कोप (ILMT) स्थापित किया है। यह नवनिर्मित टेलीस्कोप खगोलीय पर्यवेक्षणों और अनुसंधान में भारत की किस प्रकार सहायता करेगा?

अंतरिक्ष अन्वेषण व खगोलीय पर्यवेक्षणों के लिए विभिन्न देश टेलीस्कोप को स्थापित करते हैं। NASA द्वारा स्थापित जेम्स वेब, हबल टेलीस्कोप आदि हैं।

भारत में आत्मनिर्भर भारत अभियान की भावना के अनुरूप विश्व की पहली इन्टरनेशनल लिक्विड मिरर टेलीस्कोप (ILMT) स्थापित की है।

→ इससे भारत की वैश्विक स्तर पर तकनीकी प्रगति के क्षेत्र में बेहतर छवि बनेगी।

→ खगोलीय पर्यवेक्षण के लिए अब अन्य देशों पर निर्भर नहीं

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

रहना होगा।

→ लिक्विड मिरर होने के कारण इसकी क्षमता अत्यधिक उच्च है और सटीक दृश्य प्रदान करने में मदद करेगी।

→ इसकी सहायता से भारत अपने अंतरिक्ष संबंधी अनुसंधानों में तीव्रता ला सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)